

9.5.18

पुगावली डाक केंद्र (वार्ड नं. 1) में प्रेषण हुआ।  
 पुगावली का खजाना (कमिशन) राजस्व विभाग  
 को भेजा गया। संवत् 2071-74 का ग्राहक कोलकाता के  
 भूमि सं. नं. 668, 670, 676, 677, 4933/665 जिला  
 5 कुम रकबा 1.54 है। वही खालेदार वही एवं प्रतिवादी  
 सं. 1 में 4 व प्रति. नं. 5 व 6 के पिता/पति के नाम  
 को दर्ज रिकार्ड है। उक्त वर्णित भूमि संयुक्त खालेदार  
 की भूमि है तथा भूमि का विधिवत विभाजन नहीं  
 हुआ है। वही एवं प्रतिवादी गण आपने - आपके हिसाब  
 के अनुसार विधिवत विभाजन करवाना चाहते हैं।  
 धारा 53 के प्रावधान अनुसार वही एवं प्रतिवादी गण  
 विधिवत विभाजन करवाने के अधिकारी हैं।

आदेश

वाहक एवं कार किताबों में ही तथा प्राथमिक डिप्टी  
 इस आदेश की दी जाती है कि ग्राहक कोलकाता  
 के भूमि सं. नं. 668, 670, 676, 677, 4933/665  
 जिला 5 कुम रकबा 1.54 है। में वही एवं प्रतिवादी गण  
 का राजस्व रिकार्ड में दर्ज हिसाब एवं करण अनुसार  
 शर्तों का प्रावधान करवते हुए विधिवत विभाजन  
 किसे लागू का आदेश दिया जाता है। लक्ष्मण  
 लक्ष्मीनंदर उदयपुरवादी उभय पक्ष वारान की उपस्थिति  
 में विभाजन प्रस्ताव तैयार करें तथा मध्य नक्शा  
 के दो प्रतिमा में न्यायालय हाथ में प्रेषण करें।  
 डिप्टी पंचा जारी हैं।

पुगावली केस लक्ष्मण होकर नम्बर को कम हो  
 तथा वाद लक्ष्मीनंदर दारिद्र्य रहकर हो।

दिनांक 9.5.18 को केंद्र को  
 (वार्ड नं. 1) में भुजाया गया।

उपखण्ड अधिकारी  
 उदयपुरवादी (उदयपुर)